(3)

GREENLAWNS HIGH SCHOOL
FINAL EXAMINATION YEAR 2017

SUBJECT : HINDI CLASS : VIII
TIME : 2 ½ HOURS MARKS : 80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first 10 minutes.
The time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.
This paper comprises of two section : Section A and Section B.
Attempt all the questions from section A
Attempt any three questions from Section B.
(Question No. 5,6,7,8) and No. 9 compulsory.

SECTION A (40 marks)
Attempt all questions

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (१५)

१) विज्ञापनों से घिरा मानव जीवन
२) फैशन की ओर बढ़ती युवा पीढ़ी।
३) विद्यार्थी और अनुशासन
४) 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' उक्ति को ध्यान में रखकर एक कहानी लिखिए।
५) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

...2/-

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए: (७)

१) आज विभिन्न चैनलों पर अंधविश्वास तथा तंत्र-मंत्र से संबंधी विविध प्रकार की सामग्री बेचने से जुड़े कार्यक्रम दिखाकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखिए।

अथवा

२) आपके बड़े भाई की सलाह के अनुसार आपने नियमित योगासन और प्राणायाम का अभ्यास शुरु कर दिया है, जिसका सुखद परिणाम आपके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसकी जानकारी देते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न ३. नीचे लिखे अवतरण को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव अपने शब्दों में लिखिए। (१०)

किसी नगर में एक जुलाहा रहता था। स्वभाव का वह बड़ा अच्छा था। सभी से मीठा बोलता था और कभी किसी से नाराज नहीं होता था। लोग उसे संत कहा करते थे।

एक दिन कुछ शरारती लड़के उसके यहाँ पहुँचे। वे उसकी परीक्षा लेकर देखना चाहते थे कि उसे कैसे गुस्सा नहीं आता। उनमें से एक बहुत धनी व्यक्ति का लड़का था। उसे अपने पैसे का घमंड था। उन लड़कों को देखते ही जुलाहे ने बड़े प्यार से कहा, ''आओ बेटा, तुम लोगों को क्या चाहिए?''

सामने रखी साड़ियों में से एक की ओर इशारा करके एक लड़के ने कहा, ''मुझे वह साड़ी चाहिए। उसका क्या लोगे?''

जुलाहे ने कहा, ''दो रुपये।''

उस लड़के ने वह साड़ी हाथ में ले ली और उसके दो टुकड़े कर डाले। बोला, '' मुझे पूरी नही, आधी चाहिए। इसका क्या लोगे?''

जुलाहे ने बड़ी शांती से कहा, '' एक रुपया।''

नौजवान ने उस आधी साड़ी के भी दो टुकड़े करके पूछा, ''इसका क्या दाम होगा?''

''आठ आना।'' जुलाहे ने बिना किसी प्रकार की नाराजगी के कहा।

लड़का तो उसको चिढ़ाना चाहता था। वह साड़ी के टुकड़े-पर-टुकड़े करता गया, पर जुलाहे ने न उसकेा रोका, न डाँटा, न अपने माथे पर शिकन तक आने दी।

जब साड़ी के बहुत-से टुकड़े हो गए तो लड़का हँसकर बोला, ''ये टुकड़े मेरे किस काम के! मैं इन्हें नही खरीदूँगा।''

जुलाहे ने शांत भाव से कहा, ''तुम ठीक कहते हो बेटा, ये टुकड़े अब तुम्हारे क्या किसी के भी काम नहीं आ सकते।'' लड़के को इस बात पर कुछ शर्म आई। उसने कहा, '' यह लो, मैं तुम्हें पूरी साड़ी के दाम दिए देता हूँ।''

जुलाहे ने रुपये नहीं लिए। बोला ''मैं इन टुकड़ो को जोड़कर काम में ले आऊँगा। पर ये तुम्हारे काम नहीं आ सकते तो मैं इनका दाम कैसे ले सकता हूँ।'' लड़के के ऊपर तो अपने धन का नशा चढ़ा था। उसने कहा ''मेरे पास बहुत रुपये हैं, पर तुम गरीब हो। मैंने तुम्हारी चीज खराब कर दी। उसका घाटा मुझे पूरा करना चाहिए।''

जुलाहे ने धीमी आवाज में कहा, ''क्या तुम इसका घाटा पूरा कर सकते हो? क्या तुम समझते हो कि रुपये से यह घाटा पूरा हो जाएगा? देखो, किसानों की मेहनत से कपास पैदा हुई। उसकी रुई से मेरी स्त्री ने सूत काता। मैंने उस सूत को रँगा, फिर उससे साड़ी बुनी। हमारी मेहनत तब कारगर होती, जब कोई उस साड़ी को पहनता। तुमने तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर डाले! इतने लोगों की मेहनत बेकार गई। रुपये इस घाटे को कैसे पूरा कर सकते हैं।'' जुलाहे की आवाज में तनिक भी आवेश नहीं था। वह तो उसे ऐसे समझा रहा था, जैसे बाप बेटे को समझाता है।

लड़का पानी-पानी हो गया। उसकी आँखे भर आई। वह जुलाहे के पैरों पर गिर गया। जुलाहे ने उसे उठाकर अपनी छाती से लगाते हुए कहा, बेटा, '' अगर में लालच करके दो रुपये ले लेता तो तुम्हारी जिंदगी का वही हाल हुआ होता, जो इस साड़ी का हुआ। वह किसी के काम न आती। अब तुम समझ गए। आगे ऐसी गलती कभी नहीं करोगे। एक साड़ी खराब हुई, दूसरी तैयार हो सकती है लेकिन जिंदगी बिगड़ गई तो कैसे सुधारोगे ?'' लड़का और उसके साथी बहुत शर्मिंदा हुए और सिर नीचा करके अपने-अपने घर चले गए।

यह जुलाहे थे दक्षिण के महान संत तिरुवल्लुवर, जिनका लिखा 'कुरल' आज दो हजार वर्ष बाद भी बड़ी श्रद्धा से पढ़ा जाता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

१. जुलाहा कौन था? उसका स्वभाव कैसा था? (२)
२. लड़के जुलाहे की परीक्षा क्यों लेना चाहते थे? वे साडी के टुकड़े-पर –टुकड़े क्यों कर रहे थे? (२)
३. लड़के द्वारा चिढ़ाए जाने पर जुलाहे ने क्या कहा? जुलाहे ने साड़ी के दाम क्यों नहीं लिए? (२)
४. लड़के पर जुलाहे की बात का क्या प्रभाव पड़ा? (२)
५. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली? (२)

प्रश्न ४. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए: (८)

१) विलोम शब्द लिखिए:- (१)

क) सरस ख) रीति

२) विशेषण बनाकर लिखिए: (१)

क) शक्ति ख) कथा

३) पर्यायवाची शब्द लिखिए। (किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची) (१)

क) लता ख) रात

४) भाववाचक संज्ञा बनाकर लिखिए- (१)

क) युवा ख) मीठा

५) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए- (१)

क) पत्थर की लकीर

६) बिना अर्थ बदले कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार कार्य करके वाक्य पुनः लिखिए। (३)

१) यह भोजन दस आदमी के लिए है। (वाक्य शुद्ध कीजिए)

२) महान वही बनता है, जो समाज से कम लेता है। ('बना जा सकता है' से वाक्य का अंत कीजिए।)

३) महात्मा बुद्ध सत्य की खोज करना चाहते थे। ('इच्छुक' शब्द का प्रयोग कीजिए।)

भाग 'ब'

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

आज तो गदा क्या अगर तुम पर्वत भी उठाकर फेंकोगे तो भी मुझे कोई हानि नहीं पहुँचा सकते।

१) वक्ता कौन है? उसे कोई भी हानि क्यूँ नहीं पहुँचा सकता था? (२)
२) अभिमन्यु ने चक्रव्यूह तोड़ने की विद्या कब और कैसे सीखी? (२)
३) अभिमन्यु का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (३)
४) अर्जुन ने किस प्रकार अपना प्रण पूरा किया? विस्तार से लिखिए। (३)

प्रश्न ६ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (१०)

रामेश्वरम तट पर पक्षियों की उड़ान मेरे मन की गहराइयों तक उतर गई। यह मेरे जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय था।

१) डॉ. कलाम कौन थे ? सागर तट पर उनके सभी तथ्य कैसे स्पष्ट हो गए ? (२)
२) शिक्षा में संचार का क्या योगदान है ? समझाइए। (२)
३) डॉ. कलाम के जीवन की दिशा कैसे और किस घटना से बदल गई ? (३)
४) डॉ. कलाम के व्यक्तिगत जीवन से आपको क्या सीख मिलती है ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (१०)

रानी मैं जानी अजानी महा,
पवि – पाहनहू ते कठोर हियो है।
राजहुँ काजु अकाजु न जान्यो,
कह्यो तियको जिन कान कियो है।।
ऐसी मनोहर मूरति ये, बिछुरे कैसे प्रीतम लोग जियो है।
आँखिन में सखि!राखिबे जोगु, इन्हें किमि कै
बनबास दियो है।।

१) सीता के किस प्रश्न को सुनकर राम की आँखों में आँसू आ गए ? (२)
२) अर्थ लिखिए – क) किमि कै ख) काजु-अकाजु ग) पवि घ) तिय (२)
३) राजा और रानी को ग्रामीण लोग क्या कह रहे थे ? समझाकर लिखिए। (३)
४) किसने, किसको और क्यों वनवास दिया ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (१०)

कुछ कलियाँ अधखिली यहाँ इसलिए चढ़ाना।
करके उनकी याद अश्रु की ओस बहाना।
तड़प-तड़प कर वृद्ध मरे हैं गोली खाकर।
शुष्क पुष्प कुछ वहाँ गिरा देना तुम जाकर ।।
यह सब करना, किंतु बहुत धिरे से आना।
यह है शोक-स्थान यहाँ न शोर मचाना।।

१) कवयित्री ऋतुराज को धीरे से आने के लिए क्यों कह रही हैं ? समझाइए। (२)
२) यहाँ पर अधखिली कलियाँ चढ़ाने के लिए क्यों कहा गया है ? समझाकर लिखिए। (२)
३) उपर्युक्त कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए ? (३)
४) अर्थ लिखिए:- अश्रु, शुष्क, वृद्ध , पुष्प, ओस, अधखिली (३)

प्रश्न ९. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (१०)

१) अर्जुन से अपने शिकार की माँग करनेवाला कौन था ? और अंत में इए घटना का क्या परिणाम निकला ? (२)
२) चारों पांडव भाइयों की मृत्यु क्यों हुई ? समझाइए। (२)
३) दुर्योधन को कैसे मालुम हुआ कि पांडव मत्स्य देश में थे ? समझाकर लिखिए। (३)
४) कर्ण को स्वप्न में किसने और क्यो दर्शन दिए ? कर्ण ने उनकी चेतावनी पर ध्यान क्यों नहीं दिया ? (३)